दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 190
मुरादाबाद
(Sunday)
02 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर भगदड़: राष्ट्रपति-PM मोदी ने जताया | बसपा की बैठक : मायावती ने पिछड़ा वर्ग

दुख, मुआवजे का एलान;विपक्ष ने सरकार से पूछे सवाल

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशी बुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में एकादशी पर भगदड़ मच गई। हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि कई घायल हैं। पीएम मोदी ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया और मुआवजे का एलान किया है। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में दस श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ का दबाव बढ़ गया, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। हादसे के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई। राष्ट्रपति मुर्मु ने किया शोक व्यक्त- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में कई लोगों की जान जाना अत्यंत दुखद है। राष्ट्रपति ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना से अत्यंत व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि घायल श्रद्धालु जल्द स्वस्थ हों।

प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।राज्यपाल ने भी जताई संवेदना- राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने इस हादसे पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना जताते हुए घायलों के बेहतर इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह अत्यंत दुखद और हृदयविदारक घटना है, जिसे लेकर पूरे राज्य को गहरा आघात पहुंचा है।मुख्यमंत्री नायडू ने जताया दुख, दिए राहत के निर्देश आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने आधिकारिक बयान में कहा श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ की यह घटना अत्यंत दुखद है। श्रद्धालुओं की मृत्यु हृदयविदारक है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री नायडू ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी घायलों को शीघ्र और उचित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उन्होंने स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करने को कहा है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम नीतीश बोले- अब 'बिहारी' कहलाना अपमान नहीं, सम्मान की बात है;NDA ही बिहार को आगे ले जा सकता है

सीएम नीतीश कुमार ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ही बिहार को आगे ले जा सकता है और राज्य को नए गौरव के युग की ओर बढ़ा रहा है।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा चुनाव से पहले एक वीडियो संदेश जारी कर राज्यवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से लगातार बिहार की सेवा करने का अवसर जनता ने उन्हें दिया है और इस दौरान राज्य में विकास व सामाजिक सौहार्द को प्राथमिकता दी गई है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जब हमने शासन संभाला था, तब 'बिहारी' कहलाना एक अपमान माना जाता था। हमने ईमानदारी और पूरी मेहनत से काम किया। आज 'बिहारी' कहलाना गर्व की बात है। सरकार ने हर वर्ग के लिए समान रूप से काम किया है पीएम मोदी ने आगे कहा कि सरकार ने हर वर्ग के लिए समान रूप से काम किया है। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, सवर्ण, पिछड़े, अति-पिछड़े, दलित या महादलित सबके विकास के लिए काम हुआ है। मैंने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया, केवल जनता की सेवा की है। सीएम नीतीश ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बिहार के विकास की कुंजी बताया। रफ्तार और तेज हुई उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य दोनों जगह एनडीए की सरकार होने से विकास की रफ्तार और तेज हुई है। बिहार में अब विकास के साथ-साथ कानून-व्यवस्था भी मजबूत हुई है।

बसपा की बैठक : मायावती ने पिछड़ा वर्ग समाज का सहयोग मांगा; बोलीं - अपर कास्ट राजनीतिक रूप से मजबूत

मायावती की बैठकों का दौर जारी है। शनिवार को पिछड़ा वर्ग भाईचारा संगठन की अहम बैठक की। इसमें पिछड़ा वर्ग समाज को जोड़ने की रणनीति तय की गई।लखनऊ में बसपा अध्यक्ष मायावती ने पिछड़ा वर्ग समाज के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने उनका आर्थिक सहयोग और वोट का सहयोग मांगा। बैठक में कहा कि अपर कास्ट राजनीतिक रूप से मजबूत है। लिहाजा वह अपना हित देख खुद बसपा से जुड़ जाएगा। ओबीसी समाज बसपा के बैनर तले सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करने के लिए जितनी जल्दी संगठित होगा। उनके अच्छे दिन उतनी जल्दी आएंगे। बसपा सुप्रीमो ने संगठन की जिलावार प्रगति रिपोर्ट लेने के बाद कहा, ओबीसी समाज विभिन्न जातियों में टूटा व बिखरे है। इनमें से कुछ के अलग से पार्टी व संगठन आदि बनाने के कारण इनकी एकता व एकजुटता प्रभावित है। जिसका लाभ जातिवादी पार्टियां चुनाव में उठाती रहती हैं। बसपा जाति के आधार पर सदियों से सताए जा रहे इन लोगों को 'बहुजन समाज' से जोड़कर अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए संघर्षरत है, जो कि देश के लोकतंत्र की सुरक्षा तथा देशहित में भी जरूरी है। सबका बने वोटर कार्ड

बसपा सुप्रीमो ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की गाइडलाइन को पूरा करने को कहा, ताकि सभी मतदाताओं का वोटर कार्ड बनवाया जा सके। वहीं, अपर कास्ट के बारे में कहा कि यह समाज राजनीतिक तौर पर जागरूक हो चुका है। इनको जोड़ने के लिए अलग से भाईचारा संगठन बनाने की जरूरत नहीं है। यह समाज बसपा में अपना हित सुरक्षित होते देखकर खुद ही पार्टी से जुड़ जाएगा। बसपा की बामसेफ ही असली- उन्होंने बामसेफ के बारे में फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से कहा कि यह राजनीतिक संगठन या पार्टी नहीं, बल्कि पढ़े-लिखे कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिनका प्रमुख कार्य अपनी सुविधानुसार बहुजन समाज के लोगों में सामाजिक चेतना पैदा करना है। सबसे पहले इस संगठन (बामसेफ) की कांशीराम ने स्थापना की थी, जो पंजीकृत नहीं है। यही असली बामसेफ भी है। इस संगठन के लोग मुझसे मिलकर अपनी इस जिम्मेदारी को निभाते रहते है। अनेकों बनी पंजीकृत बामसेफ स्वार्थी व अवसरवादी लोगों की है, जिनसे कांशीराम ने अपने जीते-जी हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी थी। ऐसे में इनकी अलग बैठक बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती है।

पीएम बोले- ऑपरेशन सिंदूर में तोड़ी आतंकियों की कमर, विजय के गर्व से भरा है देश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। इस दौरान राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रम समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन और अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ राज्य के गठन होने के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित रजत जयंती महोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे। प्रधानमंत्री शीघ्र ही सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में एक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री शीघ्र ही सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवा रायपुर अटल नगर में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया।यह संग्रहालय राज्य के जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और देशभक्ति की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो परिवर्तन देखा है वो अद्भुत और प्रेरणादायी है। कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था।

आज वही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन रहा है और इस परिवर्तन के पीछे है छत्तीसगढ़ की जनता का परिश्रम और भाजपा की सरकारों का दूरदर्शी नेतृत्व।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा राम से राष्ट्र का एक अर्थ यह भी है कि मानवता विरोधी ताकतों का, आतंक के विनाश की प्रतिज्ञा और यही तो हमने ऑपरेशन सिंदूर में देखा। भारत आतंक के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। भारत आज नक्सलवाद और माओवादी आतंक को भी समाप्त करने की तरफ बढ़ रहा है। भारत आज अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है और गर्व की यही भावना आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के इस नए परिसर में हमें चारो ओर दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह हमारा छत्तीसगढ़ तो भगवान श्री राम का ननिहाल है।

भगवान श्री राम इस धरती के भांजे हैं। आज इस नए परिसर में श्री राम के आदर्शों को याद करने का इससे बेहतर दिन और क्या होगा? भगवान राम के आदर्श हमें सुशासन की सीख देते हैं। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के समय हम सभी ने देव से देश और राम से राष्ट्र का संकल्प लिया था, राम से राष्ट्र का अर्थ है सुशासन और जनकल्याण का राज, इसका अर्थ है %सबका साथ-सबका विकास% की भावना से शासन। जहां कोई ना गरीब हो ना कोई दुखी हो, जहां भारत गरीबी से मुक्त होकर आगे बढ़ेगा। राम से राष्ट्र का अर्थ है, बीमारियों से असमय मृत्यु ना हो यानी स्वस्थ और सुखी भारत का निर्माण हो।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का इतिहास अपने आप में प्रेरणास्रोत है। 2000 में जब इस सुंदर राज्य की स्थापना हुआ तो पहली विधानसभा की बैठक राजकुमार कॉलेज रायपुर के जशपुर हॉल में हुई। वो समय सीमित संसाधनों का तो था लेकिन असीम सपनों का था। तब केवल एक भावना थी कि हम अपने भाग्य को और तेजी से उज्जवल बनाएंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जब हम इस भव्य और आधुनिक विधानसभा का लोकार्पण कर रहे हैं तो ये केवल एक इमारत का समारोह नहीं है बल्कि 25 वर्षों की जन आकांक्षा, जन संघर्ष और जन गौरव का उत्सव बन गया है। मैं उन महापुरुष को नमन करता हूं जिनकी दूरदृष्टि और करुणा ने इस राज्य की स्थापना की। वो महापुरुष हैं, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी। साल 2000 में जब अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया तो वो निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं था, वो निर्णय था छत्तीसगढ़ की आत्मा को पहचान दिलाने का। आज जब इस विधानसभा भवन के साथ-साथ अटल जी की प्रतिमा का भी अनावरण हुआ है तो मन कह उठता है, अटल जी जहां भी हों, अटल जी देखिए आपका सपना साकार हो रहा है।

सीएम योगी बोले, संस्कृत-तमिल आत्मा, एकात्मता के प्रतीक हैं काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम

सीएम योगी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु में भारतीय संस्कृति के सभी तत्व समान रूप से संरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि वणक्कम काशी, संस्कृत और तमिल भारत की आत्मा है। वहीं काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम उत्तर-दक्षिण भारत की एकात्मता के प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में सबसे अच्छा इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन भारत है। भारत में भी यूपी निवेश का सबसे उत्तम गंतव्य है। काशी और तमिलनाडु में भारतीय संस्कृति के सभी तत्व समान रूप से संरक्षित हैं। भारत में संस्कृत भाषा और तमिल साहित्य सबसे प्राचीनतम साहित्य हैं। समस्त भारतीय भाषाएं और उनके साहित्य सभी को अपने में समाहित करते हैं। समावेशी सांस्कृतिक प्रेरणा का ये स्रोत समाज में सद्भाव और समरसता बनाए हुए हैं। काशी में गंगा से तमिलनाडु की कावेरी नदी तक हमारी साझी परंपरा की याद दिलाती हैं। बताती हैं कि भाषाएं भले ही अलग हों, भारत की आत्मा एक ही है जो शाश्वत समावेशी और अटूट है। मुख्यमंत्री शुक्रवार की देर शाम काशी नाटकोट्टई नगर क्षेत्रम में निर्मित धर्मशाला के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पहले बाबतपुर एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया, फिर धर्मशाला के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने संबोधन की शुरुआत वणक्कम काशी से की और कहा कि इस धर्मशाला की आधारशिला वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रखी थी। आज इसके उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति, तमिलनाडु और दुनियाभर से अतिथि, निवेशक आए हैं। जिस धर्मशाला का उद्घाटन हुआ, वहां 200 साल पहले श्रीकाशी नाटकोट्टई नगर क्षेत्रम मैनेजमेंट सोसाइटी ने भगवान विश्वनाथ की पूजा शुरू कराई थी। बाद में कुछ लोगों ने कब्जा करने का प्रयास किया था। इसकी जानकारी मिलते ही कब्जा हटवाया गया। अब धर्मशाला बन गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि ये हमारे लिए सुखद संयोग है कि यूपी की इस यात्रा में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में पधारे हैं। धर्मशाला का उद्घाटन उपराष्ट्रपति ने किया। धर्मशाला श्रद्धालुओं को रहने की सुविधा उपलब्ध कराएगी। साथ ही काशी और तमिलनाडु के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करेगी। आदिकाल से चली आ रही इस शाश्वत परंपरा को आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री गति प्रदान कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में देश की गौरवशाली आस्था के प्रति सम्मान के पुनर्स्थापना का कार्य आगे बढ़ रहा है। तमिलनाडु की तेनकाशी में भगवान विश्वनाथ का प्राचीन मंदिर है। तेनकाशी का अर्थ है दक्षिण की काशी। पांड्य देश के सम्राट श्रीहरि केशरी परिकराम पांडयन ने काशी से ज्योतिर्लिंग लाकर तेनकाशी में स्थापना की। तमिलनाडु में शिवकाशी नाम का एक पवित्र स्थान भी है। देव दीपावली में काशी की भव्यता और दिव्यता का करें अवलोकन- मुख्यमंत्री ने कहा कि ये समारोह ऐसे अवसर पर हो रहा है जब कल से काशी में गंगा महोत्सव का पावन आयोजन है। एक से चार नवंबर यानी देवोत्थान एकादशी से कार्तिक चतुर्दशी तक गंगा महोत्सव होगा। कार्तिक पूर्णिमा पर पांच नवंबर को देव दीपावली का भव्य आयोजन काशी में होने जा रहा है।

संपादकीय Editorial

Another 'Uprising' by Farmers

Now it's the turn of the disgruntled farmers of Maharashtra. Ten months have passed since the BJP-led Mahayuti government came to power in the state. Farmers are restless and dissatisfied that the promises made during the elections regarding loan waivers, procurement of crops at Minimum Support Price (MSP), honorarium for disabled farmers, etc., remain unfulfilled. Why are they not being implemented? The Maharashtra government is citing financial crisis. Chief Minister Devendra Fadnavis categorically refused immediate loan waivers on October 29. The crop insurance scheme is fooling the farmers; the companies are making huge profits. The state government has even stopped the 'symbolic installment' of one rupee that it used to give, claiming it saved Rs 5000 crore. Consequently, the farmers are once again agitated. They have declared an 'uprising' in Nagpur, Maharashtra. Around 1.5 lakh farmers blocked roads and highways, resulting in the Bombay High Court having to take suo motu cognizance and issue an order directing the farmers to clear the roads and highways. The public is facing great inconvenience, but the farmers were determined to continue the 'uprising' until Wednesday night. The movement is being led by former minister Bachchu Kadu, the founder of the 'Prahar Jan Shakti Party'. The question is whether this 'uprising' is genuinely by the farmers or a political mobilization? Although the state government had formed a committee on loan waivers in June 2025, it is still uncertain whether its report and recommendations have been submitted. The fundamental issue is the loan waiver for farmers. The Congress-led UPA government at the center, under the framework of then Prime Minister Dr. Manmohan Singh, waived loans worth Rs 72,000 crore for farmers in 2008. This figure is disputed, as the current Prime Minister Modi claims that a total of Rs 53,000 crore in alleged loans were waived. Many of the beneficiaries were 'fake' or some had passed away, yet loan waivers were granted in their names. Leaving aside these figures, loan waivers subsequently became a 'political fashion', leading state governments to also waive farmers' loans. We cannot verify the figures, but it is certain that governments have been providing financial assistance to farmers in the form of loan waivers. The perennial question remains: how indebted are the farmers? The central government now has a debt of approximately 225 lakh crore rupees, which was around 58 lakh crore rupees in 2014. This is more than the gross domestic product of many countries. This serious question also needs to be addressed: how long will governments continue to waive farmers' loans? The Maharashtra government also has a total debt of 8.40 lakh crore rupees for 2024-25. The annual interest has reached approximately 65,000 crore rupees. Every citizen bears a debt of 72,761 rupees. Should governments only focus on the welfare of farmers or should they also be concerned about communities living at or below the poverty line? Certainly, the condition of farmers has been worse since India was under British rule. The poverty and indebtedness of farmers are not just a product of the last 11 years. We must also abandon the adage, 'the farmer is the provider of food'. Every community, class, and citizen of the country has contributed to the development and functioning of the nation. Agriculture contributes only 15-16 percent to the country's gross domestic product. Who will waive the debts of the remaining 85 percent? If we look at the figures from the Nagpur region of Maharashtra, 767 farmers committed suicide in January-March 2025 alone. In Western Vidarbha alone, 257 farmers took their own lives.

Modi Cherishes Sardar Patel's Legacy: A Glimpse into His Political Journey and Principles of Governance

When India gained independence on August 15, 1947, the British left behind a fragmented subcontinent. Along with the trauma of partition, there were over 560 princely states, each with its own ruler and ambitions. The newly independent nation found itself at a crossroads. Without unity, the hard-won freedom would be meaningless. At this crucial juncture, one man rose to the challenge: Sardar Vallabhbhai Patel – India's first Deputy Prime Minister and Home Minister. With foresight, determination, and indomitable will, he integrated these princely states into one nation, giving independent India its shape and strength. The unparalleled efforts of this great personality in unifying the nation did not receive the recognition they truly deserved. Decades later, Prime Minister Modi recognized this anomaly and took decisive steps to preserve and honor Patel's legacy. The influence of Sardar Patel is clearly visible in Narendra Modi's political journey and principles of governance. He considers Patel the guiding light behind his vision of 'Ek Bharat, Shreshtha Bharat' (One India, Great India). As Chief Minister of Gujarat, he honored Sardar Patel's legacy through meaningful actions. He renovated the Sardar Vallabhbhai Patel National Memorial in Ahmedabad, transforming it into a prominent museum and cultural center. Every year on October 31st, Patel Jayanti, Modi began organizing programs to educate the youth about his contributions. Among these, the Unity March (Ekta Yatra) emerged as a powerful platform to promote the spirit of national integration. The most impactful symbol of Modi's reverence for Sardar Patel is the Statue of Unity, erected on the banks of the Narmada River in Gujarat. Conceived by Chief Minister Modi and unveiled by him as Prime Minister on October 31, 2018, this statue is the tallest in the world. Its 182-meter height symbolically represents the 182 assembly constituencies of Gujarat. Modi launched the 'Loha Abhiyan' (Iron Campaign) to involve the entire nation in the construction of this statue, with farmers from over six lakh villages across the country donating iron tools. This campaign embodied the spirit of national unity. During the initial design phase of the Statue of Unity, Sardar Patel was depicted wearing a kurta-pajama. Modi insisted that the statue should depict him wearing a dhoti, as farmers traditionally wear. This presented a significant challenge, as tall statues typically require a wide base. Nevertheless, Modi ensured that every possible measure was taken without altering Patel's attire, as he believed that Sardar Patel was a symbol of the nation's farmers. One of Sardar Patel's unfulfilled dreams, the Sardar Sarovar Dam project, was realized through the efforts of Chief Minister Modi. Patel envisioned this project as a solution to Gujarat's power and water challenges. For decades, the dam could not reach its full potential due to opposition to increasing its height. Chief Minister Modi resolved to complete this project. This project transformed Gujarat's power and water landscape, changing the lives of millions of people. Today, as the waters of the Narmada reach every village in Gujarat through the vast network of canals built under Modi's leadership, it stands as the fulfillment of a dream envisioned by Patel decades ago. The reconstruction of the Somnath Temple, conceived by Sardar Patel, became a guiding model for the development of pilgrimage sites across India. As Chief Minister, Modi spearheaded several initiatives to preserve Sardar Patel's historical legacy. Sardar Patel's dream of a politically integrated India could not be fully realized in the case of Jammu and Kashmir. Patel always wanted Jammu and Kashmir to be fully integrated into India, just as he had integrated other princely states. Jammu and Kashmir was the only princely state that Sardar Patel did not personally handle, as it was under Prime Minister Nehru, and therefore, Article 370 remained in place. PM Modi furthered Patel's principle of 'one constitution, one symbol' and fully integrated Jammu and Kashmir with the rest of the nation by abrogating Article 370 in August 2019. Sardar Patel's commitment to women's empowerment was reflected in his 1919 proposal allowing women to contest municipal elections. PM Modi got the Women's Reservation Bill passed, paving the way for 33 percent reservation for women in Parliament. Indeed, the lives of both leaders exemplify a commitment to the nation.

The US, China, and India... Impact on the Long-Term Trajectory of Relations

It seems that Trump is weighing economic and strategic aspects on separate scales, but in broader contexts, they cannot be viewed in isolation. Often, they are complementary. Both India and the US must understand that a delay in the trade agreement will not only affect the interests of both countries but will also impact the long-term trajectory of bilateral relations. Trump's Asia Tour: Meeting with China, Promotion of the US as a 'G-2' - Emphasis on the India-US Trade Agreement There was much anticipation surrounding Donald Trump's Asia tour. His meeting with Chinese President Xi Jinping was also closely watched. This was quite natural. Trump's Asia tour came at a time when his foreign policy and approach were being described as increasingly isolationist. Similarly, amidst all the ifs and buts, his meeting with Jinping helped to somewhat dispel the clouds gathering over the trade war. Moreover, the US promoting this meeting as a 'G-2' also speaks volumes. The G-2 group, comprising the two most powerful countries in the current global framework, the US and China, has been used informally, but its official use by the White House seems to be giving it formal recognition. Although no specific implications can be drawn from the Trump-Jinping meeting in South Korea yet, Trump's attitude, in particular, seems very enthusiastic about it. After meeting Jinping for the first time since 2019, Trump not only made some cuts to the tariffs imposed on China but also announced his visit to China. The American side is also claiming that after the talks between the two leaders, China has shown some signs of softening its strict policy related to the use of rare earth elements, but nothing concrete has been said from the Chinese side. Earlier, Trump's visit to Malaysia for the ASEAN summit was also a topic of discussion. This dispelled the notion that the US wanted to limit its engagement in Asia. Trump's hosting of the ASEAN summit was also significant for the organization, as its membership had increased to 11 countries this year with the inclusion of East Timor. In a period of considerable uncertainty regarding tariffs, it had become essential for the export-oriented ASEAN economies to maintain good relations with their largest buyer, the United States. With his visit, Trump reiterated that ASEAN would remain a crucial pillar for the US in the Indo-Pacific region. In these changed circumstances, it had also become necessary for the ASEAN countries to successfully engage with the US. To understand this intention, we must understand the original purpose of ASEAN. Formed in 1967, largely under American leadership, its initial aim was to counter communism. Over time, the ASEAN countries grew economically stronger. During this period, their economic ties with China increased. However, their strategic engagement with the US remained intact. While the ASEAN countries' fundamental strategy has been to focus primarily on economic activities and cooperation and to refrain from interfering in the affairs of any country, the growing rivalry between the US and China has increased the dilemma for ASEAN. This dilemma stems from the fact that some countries in the organization lean towards the US, while others lean towards China. Issues such as the South China Sea, developments in Myanmar, and the recent Cambodia-Thailand conflict have also, from time to time, brought these countries into conflict. In this context, Trump's visit also served as a means to build some consensus among them. During the visit, Trump brokered a formal ceasefire agreement between Thailand and Cambodia. He also emphasized the importance of ASEAN for the US, stating that it would remain central to the American strategy in Asia. After the ASEAN summit, Trump traveled to Japan and discussed several issues with the country's first female Prime Minister, a traditional US ally. During this visit, he also spoke about increasing cooperation with Japan to challenge Chinese dominance in the rare earth elements sector. It's no secret that China has established its dominance in the rare earth elements sector. In particular, it has become synonymous with rare earth processing. Taking advantage of this situation, the Chinese Ministry of Commerce recently indicated its intention to arbitrarily set rules and regulations regarding the sale of rare earth elements. If China's intention succeeds, it will determine the fate of everything from the global clean energy transition to the supply chain for electric vehicles and many other crucial industries. To counter this, Trump encouraged Japan to take the lead in the rare earth landscape. However, after his visit to Japan and subsequent meeting with Xi Jinping, there were indications that China would pursue a more conciliatory approach regarding rare earths. Given Trump's unpredictable claims and Beijing's calculated strategy, it would be premature to say anything definitively on this matter. India must also carefully understand the signals emanating from Trump's visit. It needs to focus on adapting itself to the changing global circumstances. It must intensify its efforts to reach an agreement on a trade deal with the US soon. It is true that Trump's attitude has increased doubts about any such agreement, but a way forward must be found somehow. It seems that Trump... Economic and strategic aspects are being weighed on separate scales, but in a broader context, they cannot be viewed in isolation. Often, they are complementary to each other. Both India and the US must understand that a delay in the trade agreement will not only affect the interests of both countries but also have a far-reaching impact on the future trajectory of bilateral relations.

नवम्बर के पहले ही दिन कोहरे ने थामी वाहनों की रफ्तार, लोगो को हुआ ठण्ड का अहसास

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी = जनपद मुरादाबाद के डिलारी थाना क्षेत्र में 1 नवम्बर शनिवार सुबह मौसम ने करवट बदली और घने कोहरे ने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। सुबह-सुबह दृश्यता बेहद कम हो जाने के कारण वाहनों की रफ्तार थम सी गई। सड़कों पर वाहन रेंग-रेंग कर चलते दिखाई दिए। कोहरे के चलते बाइक सवारों और छोटे वाहनों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वाहनों का संचालन बहुत धीमी गति से होता नजर आया। बड़े वाहन कोहरे के बीच लाइट जलाकर गुजरे। कोहरे के कारण सुबह के समय सड़कों पर सामान्य से कम भीड़ रही। ग्रामीण क्षेत्र में लोगो को ठण्ड का भी अहसास हुआ

पीपली वन में घुस रहे तस्करों को वन कर्मियों ने खदेड़ा, तीन बाइकें बरामद

स्वार। थाना मिलकखानम के पीपली वन के आर्यनगर चौकी क्षेत्र में तस्करों के घुसते ही वन कर्मियों ने फायरिंग कर खदेड़ दिया। इस दौरान तस्कर अपनी तीन बाइकें भी छोड़ गए। एसडीओ वन ओम प्रकाश राम ने बताया कि तस्करों को चिह्नित करने करने के बाद कार्रवाई की जाएगी। सोमवार और मंगलवार की रात तस्करों ने क्रमशः बीट नंबर 11 और आर्यनगर बीट में खैर के पेड़ काटे थे। डीएफओ प्रणव जैन ने अवैध कटान रोकने के सख्त निर्देश दिए थे। बृहस्पतिवार की रात सुरक्षा कर्मियों ने आर्यनगर चौकी क्षेत्र में आहट सुनी तब उन्होंने तस्करों को ललकारा। बताते हैं कि तस्कर मंगलवार की रात काटे गए पेड़ों की लकड़ियां उठाने के लिए आए थे, लेकिन आहट होने पर वन सुरक्षा कर्मियों ने तस्करों पर फायरिंग कर दी, जिसके चलते तस्कर भाग खड़े हुए। फायरिंग में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।वन सुरक्षा कर्मियों ने मौके से तस्करों की तीन बाइकें बरामद कर अपने कब्जे में ले ली हैं। इसके अलावा पहाड़गंज के रक्बे से खैर के आठ गोटे भी बरामद किए गए हैं। एसडीओ वन ओम प्रकाश राम ने बताया कि तस्करों को चिह्नित किया जा रहा है, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बताया कि वन क्षेत्र में सतर्कता और बढ़ाई गई है। उधर, पीपली वन बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अहमद जान का कहना है कि पीपली वन में लंबे समय से अवैध कटान जारी है और इसमें कुछ वन कर्मियों की मिलीभगत से तस्करों के हौसले बुलंद हैं। समय रहते इनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग की टीम को धमकाने के आरोप में केस दर्ज

बिलासपुर। नेशनल अस्पताल एवं मैटरनिटी सेंटर के एक चिकित्सक और उनके साथी पर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की सील तोड़कर इलाज करने और स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम को धमकाने के गंभीर आरोप लगे थे। इस मामले में आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. वंदना रानी ने पुलिस को तहरीर दी थी।

कोतवाली पुलिस ने सरकारी काम में बाधा सहित कई धाराओं में दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वंदना रानी की शिकायत के मुताबिक, 24 अक्टूबर को वह अपनी टीम के साथ नेशनल हॉस्पिटल पहुंचीं, जहां पहले सील की गई ओटी की सील टूटी हुई मिली। आरोप है कि अस्पताल संचालक डॉ. दानिश और उनके एक साथी ने टीम के साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और मोबाइल फोन छीन लिया। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि अस्पताल में दो महिला रोगी मिलीं, जिनके ऑपरेशन हुए थे।वहीं, आरोपी अस्पताल संचालक डॉ. दानिश ने सभी आरोपों को गलत बताया है। कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि मामले कि डॉ. दानिश और एक अज्ञात के खिलाफ सरकारी काम में बाधा सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच की जा रही है।

ग्रामीण की हत्या में चार भाइयों समेत पांच को उम्रकैद

रामपुर। केमरी थाना क्षेत्र में साल भर ग्रामीण को लाठी-डंडों से पीटकर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने चार सगे भाइयों समेत पांच को उम्रकैद व 12-12 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इन सभी को बृहस्पतिवार को दोषी करार दिया था। हत्या का यह मामला केमरी थाना क्षेत्र के स्वार खुर्द गांव का है। स्वार खुर्द निवासी अमर सिंह 13 मार्च 24 की शाम को खेत से वापस आ रहे थे। रास्ते में गांव के रामचरन, रामपाल, पप्पू, भूरा और बुद्धसेन ने उन पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से पीटा था। इसमें अमर सिंह की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में मृतक के बेटे मदन की ओर से चार भाइयों समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी ने वादी समेत कई गवाहों को कोर्ट में पेश किया और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की। जबकि बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि आरोपियों को रंजिश के आधार पर झूठा फंसाया जा रहा है। एडीजीसी ने बताया कि दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने बुद्धसेन व उसके भाइयों राम चरन उर्फ रमुआ, रामपाल और पप्पू उर्फ नौबत के साथ ही उसके साथी भूरा को दोषी करार दिया गया था। कोर्ट में शुक्रवार को मामला सजा के प्रश्न पर सुना गया, जिसके बाद कोर्ट ने पांचों को उम्रकैद व 12-12 हजार रुपये का जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है।

सीएचसी में अब क्यूआर कोड से होगा मरीजों का पंजीकरण

शाहबाद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में मरीजों को पंजीकरण के लिए लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं होगी। शनिवार से यहां क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा शुरू की गई है। बीपीएम विकास कुमार ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत शुरू की गई इस व्यवस्था से मरीज या उनके तीमारदार अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे पंजीकरण करा सकेंगे। पंजीकरण के बाद मिलने वाले टोकन नंबर से वे पर्चा प्राप्त कर सकेंगे।उन्होंने बताया कि सीएचसी में रोजाना लगभग 600 मरीज आते हैं, जिनके पंजीकरण के दौरान भीड़भाड़ की स्थिति बन जाती थी। इस नई व्यवस्था से मरीजों को काफी राहत मिलेगी। जिन मरीजों के पास स्मार्टफोन नहीं है, उनकी मदद स्टाफ द्वारा की जाएगी।

आजम खां के खिलाफ डूंगरपुर बस्ती मामले में बिजनौर के इंस्पेक्टर की गवाही पूरी

रामपुर। सपा नेता आजम खां के खिलाफ डूंगरपुर बस्ती मामले में बिजनौर से तलब किए गए इंस्पेक्टर धर्मेंद्र सोलंकी की शुक्रवार को अदालत में गवाही पूरी हो गई। इससे पहले आजम खां की ओर से अदालत द्वारा लगाए गए एक हजार रुपये के जुर्माना का भुगतान किया गया। गंज थाने में 2019 में दर्ज इस मामले में आरोप है कि बस्ती खाली कराने के नाम पर लूटपाट, मारपीट और चोरी की गई थी। एडीजीसी ने बताया कि इंस्पेक्टर की गवाही पूरी हो चुकी है और अब मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी।बताया गया है कि इंस्पेक्टर सोलंकी इस मामले की विवेचना कर चुके हैं। पिछली सुनवाई में अदालत ने गवाह को दोबारा पेश करने के लिए आजम खां पर जुर्माना लगाया था।

अब्दुल्ला के दो पैन कार्ड मामले में पूरी नहीं हुई बहस

रामपुर। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड के मामले में शुक्रवार को बचाव पक्ष की अंतिम बहस पूरी नहीं हो सकी। अब इस मामले में अब अंतिम बहस के लिए चार नवंबर की तारीख तय कर दी है। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ 2019 में शहर विधायक आकाश सक्सेना की ओर से दो पैन कार्ड व दो पासपोर्ट रखने का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में सपा नेता आजम खां भी आरोपी बनाए गए हैं। यह मामला एमपीएमएलए कोर्ट में विचाराधीन है। इस वक्त दो पैन कार्ड मामले में बचाव पक्ष की अंतिम बहस चल रही है। शुक्रवार को बचाव पक्ष की ओर से बहस की गई जो कि कई घंटे तक जारी रही। शहर विधायक के अधिवक्ता ने बताया कि कोर्ट में बचाव पक्ष की अंतिम बहस पूरी नहीं हो सकी है। इस मामले में अब अंतिम बहस के लिए चार नवंबर की तारीख तय कर दी गई है।

टांडा में बढ़ रहा कुत्तों का आतंक, पांच वर्षीय मासूम पर हमला

टांडा। नगर के मोहल्ला आजादनगर में बृहस्पतिवार शाम घर के बाहर खेल रही पांच वर्षीय मासूम पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार मो. अय्यूब की पुत्री माहेनूर (5) घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान अचानक कई कुत्तों ने उस पर झपट्टा मार दिया और काटकर घायल कर दिया। बच्ची की चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़कर आए और कुत्तों को खदेड़कर उसे किसी तरह बचाया। घटना के बाद परिजन घायल माहेनूर को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा ले गए। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकों ने एंटी रैबीज इंजेक्शन के लिए अगले दिन आने को कहा। बताया गया कि इंजेक्शन केवल सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच ही लगाया जाता है। परिजनों ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताई है।

संक्षिप्त समाचार

आजम खां से मिलने पहुंची इकरा हसन...बताए पारिवारिक संबंध

मुरादाबाद। कैराना की सपा सांसद इकरा हसन अपने विधायक भाई नाहिद हसन के साथ शुक्रवार देर शाम रामपुर पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान से मिलने पहुंचीं। इकरा हसन ने आजम खान से उनके पारिवारिक संबंध बताए। इकरा हसन ने कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन क्लियर मेजॉरिटी से जीतेगा। इकरा हसन ने कहा कि आजम खान उनके परिवार के बड़े सदस्य हैं। उनसे उनके पारिवारिक संबंध हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव देश के लिए जरूरी है। इंडिया गठबंधन जरूरी है। इंडिया गठबंधन जीतेगा। देश की जनता समझदार है, जागरुक है, सही फैसला लेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी ने ड्यूटी लगाई है वह भी बिहार चुनाव प्रचार के लिए जाएंगी।इकरा हसन ने उम्मीद जताई कि वह मजबूती से चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में इंडिया गठबंधन क्लियर मेजॉरिटी से जीतेगा। समाजवादी पार्टी बिहार के युवाओं को बिहार में ही रोजगार और तरक्की जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी।

आवारा कुत्तों ने 5 साल की बच्ची पर हमला बोलकर किया घायल

मुरादाबाद। नगर के मोहल्ला आजाद नगर में मोहम्मद अय्यूब की पांच वर्षीय पुत्री माहेनूर शादी समारोह के दौरान घर के बाहर खेल रही थी।इसी दौरान वहां बैठे आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनते ही परिजन और आसपास मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे। किसी तरह कुत्तों से बच्ची को छुड़ाया। हमले में माहेनूर के शरीर पर कई जगह जख्म आ गए। परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। माहेनूर के पिता मोहम्मद अय्यूब ने आरोप लगाया, अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाने से मना कर दिया। घटना के बाद मोहल्ले में दहशत फैल गई है।मोहल्ले के लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। नगर पालिका इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर में आवारा कुत्तों को पकड़ने, नसबंदी और टीकाकरण की व्यवस्था तत्काल की जाए, ताकि भविष्य में किसी और मासूम के साथ ऐसा हादसा न हो।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मौसम के बदले रंग से बढ़े संक्रामक मरीज, डेंगू का डंक कर रहा परेशान

मुरादाबाद। मौसम में बदलाव के साथ ही संक्रामक रोग तेजी से बढ़ा है। यह स्थिति तब है जब स्वास्थ्य विभाग की ओर से पांच अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संक्रामक रोग नियंत्रण कार्यक्रम अभियान चलाया गया। जिला अस्पताल समेत स्वास्थ्य केंद्रों और निजी अस्पतालों में बुखार के साथ ही डेंगू के मरीज बढ़ रहे हैं। लोगों को डेंगू का डंक खूब परेशान कर रहा है। ऐसे में लोग इलाज के साथ ही प्लेटलेट्स बढ़ाने के जतन में लगे हैं।डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर अब 23 हो गई है। प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए लोग कीवी फल और नारियल पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं। चिकित्सक भी मरीजों को इनके सेवन की सलाह दे रहे हैं। ऐसे में इनकी मांग बढ़ने के साथ दाम में भी बढ़ोत्तरी हुई है। जिले में डेंगू मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर अब 23 हो गई है। वहीं, जिले में अब तक 64 मलेरिया के मरीजों की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग की ओर से की गई है। साथ ही टायफाइड व वायरल बुखार की चपेट में काफी लोग आ रहे हैं। जिला अस्पताल में फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि रोजाना अस्पताल में बुखार के नए मरीज आ रहे हैं।अधिकांश बुखार के मरीजों में डेंगू, मलेरिया और टायफाइड के लक्षण मिल रहे हैं। ऐसे में जांच कराने के बाद उसी के आधार पर उन्हें इलाज दिया जा रह है। गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है। डेंगू और टायफाइड में प्लेटलेट्स तेजी से गिरती है। प्लेटलेट्स बढ़ाने में हरे नारियल का पानी, कीवी फल बहुत ही सहायक माना जाता है। बाजार में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। एक महीने पहले तक 100 रुपये में चार कीवी की बिक्री हो रही थी, इस समय 40 रुपये में एक बिक रहा है। 60 से 65 रुपये में बिकने वाला नारियल इस समय 80 रुपये तक में बिक रहा है। गुलाबबाड़ी चुंगी के पास नारियल खरीद रहे संजय कुमार ने बताया कि डेंगू और मलेरिया के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। वह अपने और अपने परिवार वालों के लिए नारियल पानी और कीवी खरीद रहे हैं। चिकित्सकों ने नारियल पानी पीने की सलाह दी है, इसलिए खरीदने आए हैं। मांग ने बढ़ाए दाम- विक्रेता शहजाद ने बताया कि इस समय फलों के साथ ही नारियल पानी की मांग बीते 15 दिनों में तेजी से बढ़ गई है, जिससे इनके दामों में भी बढ़ोतरी हुई है। एक माह पहले वह रोजाना करीब 150 नारियल व 10 किलो कीवी बेचते थे, अब नारियल करीब 250 और कीवी फल करीब 20 किलो के आसपास बिक जा रही हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

उत्तर प्रदेश पुलिस में कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा केंद्रों का डीएम ने किया निरीक्षण

परीक्षा हेतु निर्धारित नियमों का पालन किया जाए जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस में कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा को सकुशल और शुचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। जनपद बरेली में 15 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा में कुल 6960 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 2912 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 4048 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने परीक्षा के दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों यथा- मौलाना आजाद इण्टर कालेज, श्री गुरू गोविन्द सिंह इण्टर कॉलेज एवं श्री गुरू नानक रिक्खी सिंह कन्या इंटर कॉलेज में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संचालित होती पायी गयी। परीक्षा केन्द्रों पर बनाये गए सीसीटीवी व कंट्रोल रूम आदि के माध्यम से परीक्षा कक्षों का भी जायजा लिया गया तथा समस्त कैमरे संचालित अवस्था में पाए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परीक्षा हेतु निर्धारित नियमों का उचित प्रकार से अनुपालन किया जाए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए। परीक्षा को सकुशल, शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, पुलिस अधीक्षक यातायात मो0 अकमल खान सहित सम्बंधित अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

सजा रामगंगा चौबारी मेला लग गए झूले, सज गईं दुकानें नए स्वरूप में दिखेंगे रामगंगा का घाट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। गंगा दशहरा पर चौबारी मेला अनूठे अंदाज में नजर आएगा। मेले पर न सिर्फ भगवा छटा बिखरी दिखाई देगी बल्कि मेले पर शताब्दी वर्ष का रंग भी चढ़ा दिखाई देगा। इस बार घाट नए स्वरूप में दिखेगा। मेले में पांच सौ दुकानें सज रही हैं। इस बार चौबारी मेला सौ वर्ष पूर्ण कर रहा है। लिहाजा इसे यादगार बनाने की तैयारी चल रही। पूरे मेले को भगवा झंडी और दुकानों की सजावट भी भगवा रंग के कपड़ों से की जा रही है। इसमें मेले के एक तरफ कार्निवाल का स्वरूप देने की भी कोशिश हो रही है। प्रकाश व सुरक्षा के भी माकूल इंतजाम किए गए हैं। मेला यूं तो शनिवार से ही शुरू हो जाएगा, मगर शनिवार होने की वजह से मेले का विधिवत उद्घाटन रविवार को शाम चार बजे होगा। हवन पूजन के बाद शाम को लगभग छह बजे गंगा घाट पर हिंदू महासभा के पंकज पाठक की ओर से महाआरती की जाएगी। इसके बाद दो हजार दीप घाट पर रोशन किए जाएंगे। चौबारी मेला में दुकानें लगाने के मुद्दे पर कुछ विवाद हो गया था। रास्ते से सिर्फ दुकानों को पीछे हटाने की बात थी। अब सारे विवाद निपट गए है। मेला कमेटी के प्रदीप पांडेय ने बताया कि कुछ गलतफहमियां हो गईं थीं। उसे प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठ निपटा दिया गया है। अब कोई विवाद नहीं है। मेला सब के सहयोग से उत्साह पूर्वक संपन्न होगा। बल्कि इस बार मेले के सौ वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, जिसे यादगार बनाने की कोशिश रहेगी। उनके साथ जय वीर सिंह, श्याम वीर सिंह सहित पूरी कमेटी के लोग मेला संवारने में लगे हैं। उन्होंने बताया कि मेले की तैयारियों व सुरक्षा की दृष्टि से एडीएम (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह व एसडीएम सदर प्रमोद कुमार ने भी जायजा लिया।

श्री हरि मंदिर बरेली में तुलसी विवाह बड़ी ही धूमधाम से हुआ संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। देवउठनी एकादशी पर श्री हरि मंदिर बरेली में तुलसी विवाह बड़ी ही धूमधाम से महिला मण्डल की अगुवाई में मनाया गया।महिला मण्डल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा वा उपाध्यक्ष कंचन अरोरा द्वारा दीप प्रवाजलित कर कार्यकम की शुरूआत हुई। कार्तिक महीने के आखिरी 5 दिनों में तुलसी विवाह कराने का विशेष महत्व माना गया है।तुलसी विवाह के दिन तुलसी के पौधे को दुल्हन की तरह सजाया जाता हैऔर फिर शुभ मुहूर्त में भगवान शालिग्राम के साथ उनका विवाह संपन्न किया जाता है।तुलसी विवाह कराने से घर में सुख समृद्धि आती है और कन्यादान का पुण्य फल प्राप्त होता है। महिला मण्डल की सदस्यों द्वारा मंगल गीत गाए गए और माता तुलसी वा भगवान शालिग्राम का विवाह संपन्न कराया गया। सभी सदस्यों ने तुलसी माता का युगल जोड़ी सरकार के श्रीचरणों में भजनों वा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से अपनी अपनी हाजरी दी। आज के दिन महिला मण्डल और अन्य भक्तजनों द्वारा अपने अपने घर से अच्छे अच्छे पकवान बना कर लाए गए,मंदिर समिति द्वारा भी सभी भक्तजनों के लिया प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। पूज्य पंडित जी द्वारा शुभ मूर्हत में तुलसी विवाह संपन्न कराया गया। महिला मण्डल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा वा उपाध्यक्ष कंचन अरोरा ने सभी भक्तों का वा मंडल सदस्यों को तुलसी विवाह की बहुत बहुत बधाई दी। इस अवसर पर रेनू छाबड़ा,कंचन अरोड़ा,नीलम साहनी,नेहा आनंद,नीलम लुनियाल,प्रवेश कोचर,निशा लखानी,अलका छाबड़ा,सीमा तनेजा,अनीता बजाज,रजनी लूथरा आदि सेवा में उपस्थित रहीं।

बरेली में 'यातायात माह 2025' का शुभारंभ

एडीजी रमित शर्मा बोले सड़क सुरक्षा जिम्मेदारी ही नहीं, आदत बनाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली में शनिवार को 'यातायात माह 2025' का शुभारंभ बड़े उत्साह और भागीदारी के साथ किया गया। इस मौके पर डीआईजी बरेली जोन अजय कुमार साहनी, एसएसपी, और एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान समेत पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और कई स्कूली बच्चे मौजूद रहे। कार्यक्रम में ट्रैफिक सुरक्षा को लेकर नई नीतियों और तकनीकी सुधारों पर चर्चा हुई। एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान ने बताया कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए इस वर्ष कई ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ प्रमुख इलाकों में ई-रिक्शा पर आंशिक प्रतिबंध लगाया गया है ताकि मुख्य सड़कों पर जाम की समस्या को कम किया जा सके। इसके अलावा, स्कूलों में ट्रैफिक अवेयरनेस प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं, जिससे बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी विकसित हो सके। एसपी ट्रैफिक ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए करीब 10 मिलियन लोगों तक जागरूकता संदेश पहुँचाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जो इन अभियानों की सफलता को दर्शाता है। एसएसपी का संदेश नियमों की जानकारी ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी एसएसपी बरेली ने जनता से अपील की कि वे सड़क पर निकलते समय नियमों का पालन करें। उन्होंने कहा यातायात नियमों का पालन तभी संभव है जब लोग उन्हें जानें और समझें। हेलमेट, सीट बेल्ट और संयम से ड्राइविंग यही जीवन की गारंटी है।

एसएसपी ने खासतौर पर युवाओं को रान्ग साइड ड्राइविंग और तेज रफ्तार से बचने की चेतावनी दी और कहा कि परिवार का इंतज़ार हमेशा घर पर होता है, अस्पताल में नहीं। डीआईजी बरेली जोन अजय कुमार साहनी ने कहा कि पूरे जोन में यातायात माह के दौरान जागरूकता रैली, स्कूल कार्यक्रम, पोस्टर कैंपेन और रोड शो आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं को 50 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य रखा गया है।अभिभावकों से भी अपील कृपया 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन न सौंपें। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि उनके जीवन के लिए भी खतरा है। अंत में सभी अधिकारियों ने लोगों से आग्रह किया कि सड़क पर चलते समय संयम, सतर्कता और नियमों का पालन अपनी आदत बनाएं। एक हेलमेट, एक सीट बेल्ट, एक पल का धैर्य यही किसी परिवार की पूरी दुनिया बचा सकता है।

मामा-भांजों ने एक ही जमीन दोबारा बेचकर युवक को लगाया 40 लाख का चूना, हुआ खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जमीन के सौदे के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। मीरगंज के रहने वाले एक व्यक्ति को मामा-भांजों के गैंग ने पहले से बिक चुकी जमीन दोबारा बेचकर 40 लाख रुपये का चूना लगा दिया। मामला एसपी सिटी मानुष पारीक तक पहुंचा तो उनके आदेश पर इज्जतनगर पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मीरगंज निवासी ओमप्रकाश पुत्र पूरनलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के ही सुनील कुमार पुत्र बालकराम ने उन्हें एक प्लॉट खरीदने का ऑफर दिया। ओमप्रकाश ने साफ कहा कि जमीन विवादित नहीं होनी चाहिए, जिस पर सुनील ने भरोसा दिलाया कि प्लॉट पूरी तरह क्लियर है। इसके बाद सुनील ने अपने भांजे कमल कुमार, अजय कुमार, बहन हरप्यारी और बहनोई नेतराम से मिलवाया। सभी ने बताया कि धौरैरा माफी गांव में उनका प्लॉट विवाद रहित है और वे इसे बेचना चाहते हैं। ओमप्रकाश ने अपने परिवार से सलाह लेकर यह जमीन अपनी बेटी ब्रजेश कुमारी के नाम खरीदने का सौदा तय किया। दिसंबर 2024 में एग्रीमेंट किया गया और 20 लाख रुपये दिए गए। इसके बाद 31 मई 2025 को बरेली के उप-निबंधक कार्यालय में रजिस्ट्री कराई गई। लेकिन जब ओमप्रकाश ने दाखिल-खारिज के लिए तहसील में आवेदन दिया, तो खुलासा हुआ कि वही जमीन साल 2004 में हरप्यारी ने युवराज सिंह नामक व्यक्ति को बेच दी थी। यही नहीं, साल 2024 में भी इसी जमीन का एक और इकरारनामा खुशीराम और अखिल सक्सेना के नाम किया गया था। यह सुनते ही ओमप्रकाश के होश उड़ गए। उन्होंने रजिस्ट्री ऑफिस में जांच कराई तो पता चला कि जिस जमीन की उन्होंने रजिस्ट्री कराई, वही पहले ही दो बार बेची जा चुकी थी। जब उन्होंने आरोपियों से पैसे लौटाने की बात की, तो आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा हम ऐसे ही लोगों को फंसा कर प्लॉट बेचते हैं, जो करना है कर लो।

ओमप्रकाश ने पूरी घटना की शिकायत एसपी सिटी मानुष पारीक से की। जांच के बाद उनके निर्देश पर इज्जतनगर पुलिस ने हरप्यारी, नेतराम, कमल कुमार, अजय कुमार और सुनील कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है और जमीन सौदे में इस्तेमाल किए गए फर्जी दस्तावेजों की जांच-पड़ताल में जुटी है।

डिलारी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / डिलारी। जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया। जिसमे थाना डिलारी मुरादाबाद से 03 नफर अभियुक्त गण अभियुक्तगण 1. मुजफ्फर पुत्र रफीक उम्र करीव 35 वर्ष निवासी गक्खरपुर थाना डिलारी जनपद मुरादबाद 2.नबी हसन पुत्र छिद्दा उम्र करीव 55 वर्ष निवासी ग्राम हसनगढी थाना काँठ जनपद मुरादाबाद 3. छोटू पुत्र सफायत नबी निवासी ग्राम अलियाबाद थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद उम्र करीव 26 वर्ष को अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस मे गिरफ्तार कर उपजिलाधिकारी महोदय ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद के समक्ष उचित अभिरक्षा मे पेश किया जा रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

शहर में तीन दिन रहेगा रूट डायवर्जन तीन से पांच नवंबर तक होगा यातायात प्रभावित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर लगने वाले चौबारी मेले को देखते हुए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। शहर में तीन दिन के लिए रूट डायवर्जन किया गया है। रूट डायवर्जन 3 नवंबर की सुबह 8 बजे से 5 नवंबर की रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा। मेले के आसपास वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और सड़कों पर जाम की समस्या से बचने के लिए डायवर्जन लागू किया गया है। एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान ने बताया कि इस दौरान भारी वाहन और रोडवेज बसें सीधे मेले के मुख्य क्षेत्र में नहीं जा पाएंगी। बदायूं से बरेली आने वाले वाहन भमोरा, देवचरा चौराहा, दातागंज, फतेहगंज पूर्वी और बड़ा बाईपास होते हुए शहर में प्रवेश करेंगे। वहीं बदायूं की ओर जाने वाले वाहन लखनऊ, शाहजहांपुर और पीलीभीत मार्ग से दातागंज और फतेहगंज पूर्वी होते हुए बड़ा बाईपास से अपने गंतव्य तक जाएंगे। दिल्ली, मुरादाबाद और रामपुर की ओर से आने वाले वाहन झुमका तिराहा, बड़ा बाईपास, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज और देवचरा चौराहा होते हुए बदायूं की तरफ जाएंगे। लखनऊ और शाहजहांपुर की ओर जाने वाले वाहन फतेहगंज पूर्वी, बड़ा बाईपास, विलयधाम, बिलवा और झुमका तिराहा होते हुए अपने गंतव्य तक जाएंगे। पीलीभीत और नैनीताल से आने वाले वाहन बड़ा बाईपास, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज और देवचरा चौराहा होकर बदायूं पहुंचेंगे। मेले के मुख्य स्थल रामगंगा चौबारी के पास देवचरा, चौपुला और बुखारा मोड़ से कोई भी भारी वाहन या रोडवेज बस प्रवेश नहीं करेगी। ट्रैफिक पुलिस ने आम नागरिकों, यात्रियों और वाहन चालकों से अपील की है कि 3 से 5 नवंबर तक बरेली-बदायूं रोड का इस्तेमाल न करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

निर्दोष को फंसाने का आरोप, मजदूर की पत्नी पहुंची एसएसपी दफ्तर, लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बवाल के मामले में कई निर्दोष लोगों को फंसाने के आरोप लगने लगे हैं। थाना इज्जतनगर क्षेत्र के फरीदाबाद चौधरी निवासी फरजाना ने शनिवार को अपने पति को झूठे मुकदमे में फंसाने का आरोप लगाकर एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई। फरजाना ने एसएसपी कार्यालय में सुनवाई कर रहे अधिकारियों को पत्र देकर बताया कि पुलिस उनके घर पहुंची और कहा कि जांच में उनके पति शफी अहमद का नाम 26 सितंबर को हुए बवाल में सामने आया है। फरजाना ने बताया कि उनके पति दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनका आईएमसी पार्टी या मौलाना तौकीर रजा की किसी बैठक या बवाल से कोई मतलब नहीं है। पीड़िताने कहा कि कुछ लोगों से पुरानी रंजिश के चलते उनके पति का नाम गलत तरीके से केस में शामिल कराया गया है। फरजाना ने एसएसपी से मांग की है कि किसी वरिष्ठ अधिकारी के जरिए उनके पति के मोबाइल फोन की लोकेशन की जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई उजागर हो सके। फरजाना ने कहा कि उनका परिवार पहले ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। ऐसे में बेगुनाह पति को झूठे मुकदमे में फंसाया गया तो परिवार तबाह हो जाएगा। उन्होंने पुलिस अफसरों से निष्पक्ष जांच कर उनके पति को राहत देने की मांग की है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

बराही गेट से नए पयर्टन सत्र का वन राज्यमंत्री ने फीता काट कर किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम/ वैदिक मंत्रोचार के साथ किया गया शुभारंभ,सैलानियों ने पहले दिन ही जमकर की सैर सपाटा पूरनपुर-पीलीभीत। वन,पर्यावरण,जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ.अरुण कुमार ने शनिवार को पीलीभीत टाइगर रिजर्व के नए पर्यटन सत्र का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बराही पर्यटन गेट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन-पूजन कर फीता काटा और पर्यटन सत्र का उद्घाटन किया। इसके बाद सैलानियों के वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पयर्टन सत्र के शुभारंभ के दौरान राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण जीवन का आधार है और हर नागरिक को पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए इसमें योगदान देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए स्थानीय उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने समूह की महिलाओं से संवाद कर उनके उत्पादों की जानकारी ली और उनकी गुणवत्ता की सराहना की। मंत्री ने कहा कि ऐसे समूह ग्रामीण महिलाओं के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व में संचालित सफारी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए पर्यटन गतिविधियों की औपचारिक शुरुआत हो गई। उन्होंने कहा कि टाइगर रिजर्व न केवल जैव विविधता के संरक्षण का केंद्र है बल्कि यह क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटकों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए,ताकि आने वाले पर्यटक यहां की प्राकृतिक सुंदरता, वन्यजीवों और स्थानीय संस्कृति से अविस्मरणीय अनुभव लेकर लौटें। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के निदेशक और अन्य अधिकारियों ने मंत्री को रिजर्व के पर्यटन प्रबंध, वन्यजीव संरक्षण और किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उमंग का माहौल रहा। इस दौरान जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह,विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान, विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा,पूरनपुर विधायक प्रतिनिधि रितुराज पासवान, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह,मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास,डीएफओ टाइगर रिजर्व सहित अन्य जनप्रनिधि व अधिकारीगण/कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस की मिली भगत से कोतवाली हसनपुर के नजदीक 500 मीटर की दूरी पर मिट्टी का खनन खुला खेल बिना परमिट दौड़ रहे हैं ट्रैक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक / अमरोहा/ उत्तर प्रदेश हसनपुर तहसील के क्षेत्र व कस्बे में खुलेआम अवैध मिट्टी का खनन हो रहा है दिन निकलने से पहले खनन माफिया अवैध मिट्टी से भरकर कोतवाली के नजदीक से निकलते दिखाई दे रहे हैं सूत्रों की माने तो यह संज्ञान में आता है की कोतवाली हसनपुर के नजदीक अवैध मिट्टी खनन के भरे ट्रैक्टर निकल कर चले जाते हैं और थाना हसनपुर पुलिस को भनक तक नहीं पड़ती इसी से अंदाजा लगाया जा रहा है कि पुलिस की बड़ी मिली भगत से मिट्टी खनन माफिया अवैध मिट्टी खनन का गोरख धंधा खुलेआम कर रहे हैं स्थानीय सूत्रों के अनुसार पता चला है कि बिना किसी अनुमति के दर्जनों ट्रैक्टर रोजाना ग्राम आगापुर , अगरौला कला, दीपपुर ,करनपुर माफी ,के जंगलों से अवैध मिट्टी भरकर कस्बा हसनपुर के अंदर चारों तरफ खुलेआम अवैध मिट्टी का खनन का गोरख धंधा खुलेआम चल रहा है समय 3=00 बजे से सुबह के 7=00 बजे तक हसनपुर कस्बे में मिट्टी से भरे दौड़ते ट्रैक्टर नजर आते हैं यह खनन कार्य कथित रूप से ठेकेदार भगवान दास के इशारे पर चल रहा है जो बेखौफ होकर उत्तर प्रदेश सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे हैं ग्रामीणों ने बताया कि सुबह वॉकिंग पर दौड़ने वाले लोग जिस रास्ते से वॉकिंग करते हैं उसे रास्ते पर मिट्टी से लदे ट्रैक्टर गुजरते हैं इस मार्ग पर एक झम्मनलाल डिग्री कॉलेज है सुबह के समय जब बच्चे स्कूल जाते हैं इस वक्त यह ट्रैक्टर तेज रफ्तार से गुजरते हैं और और कस्बे के अंदर मिट्टी से भरे ट्रैक्टरों को लेकर कोतवाली के नजदीक से निकलते हुए एच एस एस पब्लिक स्कूल से गुजरते हुए जाते हैं जिससे कि बड़ी अनहोनी की आशका का बनी रहती है स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन में पुलिस की अनदेखी से खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं एक ग्रामीण व शहरी ने बताया कि हम कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई बच्चों की जान को खतरा बना रहता है और सरकारी खजाने को भी नुकसान होता रहता है पुलिस प्रशासन बड़े-बड़े दावे करता है कि 500 मीटर की दूरी पर पुलिस प्रशासन की मिली भगत से मिट्टी का अवैध कारोबार जोरों पर है देखना अब यह है कि क्या थाना हसनपुर पुलिस कोई बड़ी कार्रवाई करेगी या अनदेखा किया जाता रहेगा

तिगरी मेला-2025 में श्रद्धालुओं एवं आमजन के कल्याण, जागरूकता तथा युवाओं के भविष्य निर्माण को दृष्टिगत नि:शुल्क शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की

क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक / अमरोहा /उत्तर प्रदेश तिगरी मेले में नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य शिविर में यशोदा हॉस्पिटल, गाजियाबाद की प्रसिद्ध क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. शोभा शर्मा एवं डॉ. भावना तिवारी द्वारा तनाव, अवसाद, अनिद्रा, नशे की लत, भय, चिंता एवं अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से सम्बंधित परामर्श नि:शुल्क प्रदान किया जा रहा है। वहीं, उच्च शिक्षा एवं अकादमिक करियर परामर्श शिविर में IGNO से आए विशेषज्ञ - श्री राजीव कुमार (डिप्टी डायरेक्टर) एवं डॉ. सिबास मुखर्जी (सीनियर रीजनल डायरेक्टर) द्वारा युवाओं को उच्च शिक्षा, ग्रेजुएशन, पोस्ट-ग्रेजुएशन, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, पीएचडी, NET-JRF, GATE, CUET, शोध एवं असिस्टेंट प्रोफेसरशिप से जुड़ी मार्गदर्शी जानकारी दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक अमरोहा श्री अमित कुमार आनंद द्वारा आज दोनों शिविरों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने विशेषज्ञों से संवाद कर शिविरों की व्यवस्थाओं एवं लोगों की सहभागिता की जानकारी ली। महोदय ने कहा कि अमरोहा पुलिस न केवल जनसुरक्षा बल्कि जनजागरण और जनसेवा के प्रति भी समर्पित है। तिगरी मेला जैसे विशाल आयोजन में ये दोनों पहल समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता की दिशा में नई प्रेरणा देंगी। उन्होंने श्रद्धालुओं, विद्यार्थियों और आमजन से अपील की कि वे इन नि:शुल्क शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ तथा अपने जीवन और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएँ।

खेत में शिकार के लिए लगाए गए जाल में फंसा तेंदुआ मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ट्रैकुलाइज कर किया रेस्क्यू

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जिला मुख्यालय से सटे लदपुरा गांव के खेतों में ग्रामीणों ने तेंदुए को फंदे में फंसा देखा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। तेंदुआ फंदे में बुरी तरह फंसा हुआ था, जिससे उसकी जान को गंभीर खतरा हो सकता था। डीएफओ भरत कुमार के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम, मेडिकल स्टाफ और वनकर्मी तत्काल मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू किया। पीलीभीत के सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के लतपुरा गांव में शनिवार को सुबह तेंदुआ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। तेंदुआ गन्ने के खेत के बाहर चकरोड पर बैठा देखा गया। ग्रामीणों ने उसका वीडियो बना लिया, जिसमें एक कुत्ता भी दिख रहा है। तेंदुआ उसका शिकार करने के लिए उठता है, लेकिन आगे बढ़ नहीं पाता। बताया गया कि उसके पैर में फंदा फंसा हुआ था। आशंका है कि शिकारियों ने शिकार करने के लिए फंदा लगाया होगा, जिसमें तेंदुआ फंस गया। यह घटना उस वक्त की है, जब वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पर्यटन सत्र का शुभारंभ करने आए हुए थे। शिकारियों के जाल में तेंदुआ फंसने की सूचना से वन विभाग में खलबली मच गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और निगरानी शुरू कर दी। ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई। कुछ देर बाद रेस्क्यू टीम भी पहुंच गई। वन विभाग की टीम के ट्रैकुलाइज एक्सपर्ट डॉ दक्ष गंगवार ने डॉट मारकर तेंदुए को ट्रेंकुलाइज किया। बेहोश होने पर उसे पकड़ा गया। डीएफओ भरत कुमार डीके ने बताया कि तेंदुए का रेस्क्यू कर लिया गया है। जिला मुख्यालय लाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इसके बाद जंगल में छोड़ दिया जाएगा। खेत में किसने जाल लगाया था, इसकी भी जांच कराई जा रही है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में बढ़ती शिकारी गतिविधियों को लेकर रोष है। उन्होंने प्रशासन और वन विभाग से इलाके में गश्त तेज करने तथा शिकारी गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। विभाग ने फंदा लगाने वाले अज्ञात शिकारी की तलाश शुरू कर दी है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में लगातार शिकारियों पर शिकंजा कसा जा रहा है। बावजूद इसके शिकारी बेखौफ होते जा रहे हैं। अगर बीते एक महीने के आंकड़ों को ही देखें तो पीलीभीत टाइगर रिज़र्व में 5 बड़े मामले सामने आए हैं। 13 सितंबर को माला रेंज से चीतल के शिकार के साथ शिकारियों को पकड़ा गया। इसके बाद 18 सितंबर को माला रेंज में ही शिकार में प्रयुक्त होने वाले सामान की बड़ी खेप के साथ शिकारियों को पकड़ा गया। जब सितंबर को शिकारियों के फंदे में फंसे तेंदुए को रेस्क्यू किया गया, निगरानी के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत किन परिस्थितियों में हुई इस रहस्य से पर्दा नहीं उठ पाया और न ही ज़िम्मेदार इस घटना के पीछे के शिकारी भी नहीं पकड़े जा सके। इसी बीच 01 अक्टूबर को महोफ रेंज में चीतल के शिकार के साथ शिकारियों को दबोचा गया। जिसके बाद 4 अक्टूबर खकरा पुल पर कछुआ तस्करी गिरोह पकड़ा गया।

69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

फिजिकल कॉलेज शिवपुरी बना युवा ऊर्जा का केंद्र, खिलाड़ियों के उत्साह से गूंजा परिसर

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। मध्यप्रदेश के गौरवशाली 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय तात्याटोपे राज्य शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (फिजिकल कॉलेज) शिवपुरी में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता वर्ष 2025-26 का भव्य शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता में योगासन (14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग - बालक/बालिका), हैंडबॉल (19 वर्ष बालक/बालिका) एवं क्रिकेट (19 वर्ष बालिका वर्ग) की राज्य स्तरीय स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से जुड़े प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपनी मेहनत, लगन और क्षमता के बल पर बेहतर प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा - खेल भावना के साथ खेलने वाला ही सच्चा विजेता होता है। जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, प्रयास जारी रखना ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, जनपद अध्यक्ष हेमलता रावत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरवीर रघुवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष राजू बाथम, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव एवं भोपाल से आए खेल पर्यवेक्षक संदीप शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान से हुई। मंच पर उपस्थित अतिथियों ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहित रजक द्वारा सभी प्रतिभागियों को खेल भावना की शपथ दिलाई गई। जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शिवपुरी जिले को बार-बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजन का अवसर मिल रहा है। इस वर्ष अंडर-19 गर्ल्स नेशनल प्रतियोगिता का आयोजन भी शिवपुरी में होना हमारे लिए गौरव की बात है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि खिलाड़ी नियमों का पालन करते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन करें और प्रदेश ही नहीं बल्कि देश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। उत्कृष्ट विद्यालय शिवपुरी क्रमांक-1 एवं जिला कन्या परिसर शिवपुरी की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। आकर्षक मार्चपास्ट बना केंद्र बिंदु प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न संभागों से आए खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। इसमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, जनजातीय कार्य विभाग, नर्मदापुरम, रीवा, सागर, शहडोल, उज्जैन और ग्वालियर संभाग के खिलाड़ी शामिल हुए। खिलाड़ियों के जोश और अनुशासन ने पूरे परिसर में ऊर्जा का संचार कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में घायल हुए पति व पत्नी

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर/ अलीगढ़ थाना गांधी पार्क जी टी रोड हवाई पट्टी के सामने अपनी ससुराल जलाली,से, थाना बन्ना देवी नई बस्ती जा रहे थे शुभम वह पत्नी प्रीति दोनों बाइक में दुपट्टा आने के कारण दोनों पति-पत्नी हुए घायल राहगीरों की मदद से निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां दोनों का इलाज चल रहा है वह दोनों कुशल है

एसआईबी की टीम ने पकड़ी करोड़ों की टैक्स चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / जीएसटी की एसआईबी टीम ने पीलीभीत में संचालित रेहान ट्रेडिंग कंपनी में छापा मार कर करीब सवा दो करोड़ रुपए की टैक्स चोरी पकड़ी है। उत्तराखंड से रेता बजरी और मोरिंग लाकर पीलीभीत में बेचने वाली रेहान ट्रेडिंग कंपनी पर जीएसटी एसआईबी की टीम द्वारा छापा मारा गया। एसआईबी के डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह की अगुवाई में टीम ने पीलीभीत बरेली हाईवे पर टाइगर तिराहे के पास स्थित रेहान ट्रेडिंग कंपनी के ऑफिस में लगभग 3 घंटे तक जांच पड़ताल कर दस्तावेज इक्ट्ठे किए। सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। वहीं टीम के अनुसार फर्म ने आईटीसी का लाभ लेने के साथ कुल 5 प्रतिशत जीएसटी ही जमा की जबकि 12 प्रतिशत जीएसटी जमा की जानी थी। पिछले 4 साल में फर्म ने 42 करोड़ का व्यापार किया जिसमें ढाई करोड़ जीएसटी में सिर्फ 8 लाख ही जमा किया। और लगभग सवा दो करोड रुपए टैक्स की चोरी कर ली। डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह का कहना है फर्म की ओर से बड़ी टैक्स चोरी पकड़ी गई है। सभी दस्तावेज जमा कर लिए गए हैं। जिनकी अभी जांच चल रही है जांच पूरी होने के बाद जुर्माना डाला जाएगा।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा- वाराणसी की बनारसी साड़ी और मलिहाबादी लंगड़ा आम पर पूछे सवाल, ऐसा रहा परीक्षा पैटन

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने ऑनलाइन आवेदन के दो साल बाद कंप्यूटर ऑपरेटर की परीक्षा आयोजित हुई। इसमें बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी।उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने ऑनलाइन आवेदन के दो साल बाद कंप्यूटर ऑपरेटर की परीक्षा आयोजित की। राजधानी के 47 परीक्षा केंद्रों पर शनिवार को आयोजित प्रतियोगी परीक्षा के लिए 20 हजार 36 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 11 हजार 981 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। कुल 8 हजार 55 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। परीक्षा में प्रतिबंधित इलेक्ट्रिक समान, खाने का सामान, ज्वेलरी, घड़ी व अन्य वस्तुएं साथ में ले जाने पर प्रतिबद्ध था। राजधानी में परीक्षा देने पहुंचे प्रतापगढ़ निवासी शिवम आदित्य ने बताया कि साल 2023 में कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन हुए लेकिन, विभाग की ढिलाई की वजह से दो साल बाद परीक्षा हो सकी। परीक्षा में इंटरमीडिएट के साथ ही डिप्लोमा इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक, पीजीडीसीए, सीसीसी, ओ लेवल व अन्य तकनीक कोर्स करने वाले अभ्यर्थी योग्य थे।आशंका...इसलिए अधिक अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा भर्ती बोर्ड की ओर से जारी नोटिस में यह स्पष्ट किया गया था कि अगर किसी भी अभ्यर्थी के आवेदन में कोई भी प्रमाण पत्र गलत पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा से भी बाहर कर दिया जाएगा। एक्सपर्ट के मुताबिक आशंका है कि परीक्षा में आवेदन करने वाले तमाम लोगों ने कुछ गलत दस्तावेज लगाए थे। इसलिए शामिल नहीं हुए। इसमें ट्रिपल सी, डिप्लोमा इंजीनियरिंग व पीजीडीसी व अन्य तकनीकी कोर्स के प्रमाण पत्र हो सकते हैं। पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी करा रहे अभिनव पाठक ने बताया कि पुलिस भर्ती परीक्षा में 50 फीसदी से अधिक अभ्यर्थियों के अनुपस्थिति होना चिंताजनक है। वाराणसी की बनारसी साड़ी व मलिहाबादी लंगड़ा आम पर पूछे गए सवाल चंदौली से परीक्षा देने पहुंचे संदीप यादव ने बताया कि दो घंटे की प्रतियोगी परीक्षा में कुल 160 बहुविकल्पीय सवालों का जवाब देना था। परीक्षा में लखनऊ महिलाबाद के प्रसिद्ध आम का जिक्र हुआ। सवाल था कि लंगड़ा कौन से फल का किस्म है। इसके अलावा वाराणसी की बनारसी साड़ी पर भी सवाल पूछे गए। संविधान, साइबर सुरक्षा, कंप्यूटर व पारिवारिक रिश्तों पर सवाल कानपुर की गीतांजलि ने बताया कि पुलिस भर्ती कंप्यूटर ऑपरेटर की परीक्षा में सामान्य अध्ययन, सामान्य ज्ञान, गणित, रीजनिंग, विज्ञान और कंप्यूटर विषय से सवाल पूछे गए। पिछली परीक्षा में नंबरिंग से जुड़े सवाल ज्यादा थे लेकिन, इस बार ऐसे प्रश्नों की संख्या कम थी। परीक्षा में संविधान, साइबर सुरक्षा, कंप्यूटर के पार्ट व इसके कार्य, पारिवारिक रिश्ते सहित अन्य विषयों से सवाल किए गए।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानन्द कुशवाहा द्वारा पुलिस यातायात माह का शुभारंभ - जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने दिलाई सुरक्षित यातायात की शपथ

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ पुलिस लाइन उरई में शनिवार को सड़क सुरक्षा माह (यातायात माह) का शुभारंभ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया, यातायात जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि लापरवाही और नियमों की अनदेखी सड़क हादसों का प्रमुख कारण है। यदि सभी लोग नियमों का पालन करें तो अधिकांश दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा व्यक्ति का जीवन अनमोल है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही से इसे खतरे में न डालें। जिलाधिकारी ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को कम उम्र में वाहन न चलाने दें और उन्हें यातायात अनुशासन का पाठ अवश्य पढ़ाएं। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने कहा कि यातायात माह के दौरान अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना प्राथमिकता है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाएं, नशे की हालत में वाहन न चलाएं, ओवरस्पीड से बचें, और चलते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात की शपथ दिलाई गई। इस दौरान प्रचार वाहन के माध्यम से शहर में जागरूकता अभियान चलाया गया और पंपलेट वितरण कर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी नेहा ब्याडवाल, सीओ सिटी अर्चना, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्रप्रकाश, एआरटीओ राजेश कुमार, प्रभारी यातायात निरीक्षक वीर बहादुर, व्यापार मंडल के अध्यक्ष संतोष गुप्ता आदि अधिकारी व छात्र-छात्राएं सम्भ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश का 70वां स्थापना दिवस शिवपुरी में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। मध्यप्रदेश के गौरवशाली 70वें स्थापना दिवस का जिला स्तरीय समारोह शनिवार को मानस भवन, शिवपुरी में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर वर्चुअल माध्यम से समारोह से जुड़े और जिलेवासियों को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव,जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव,डीपीसी दफेदार सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जनपद अध्यक्ष हेमलता रावत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरवीर रघुवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष राजू बाथम, पूर्व विधायक माखनलाल राठौर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, छात्र एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में सरस्वती वंदना और मध्यप्रदेश गान की प्रस्तुति ने सांस्कृतिक वातावरण निर्मित किया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि, मध्यप्रदेश ने 70 वर्षों की विकास यात्रा में अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए सशक्त, समृद्ध और विकसित राज्य के रूप में नई पहचान बनाई है। यह दिन प्रदेशवासियों के लिए गौरव और संकल्प का दिन है। उन्होंने प्रदेश की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और उपलब्धियों को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य से जोड़ते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और इसका प्रमाण केंद्र सरकार द्वारा दिया गया सर्वोत्तम कृषि पुरस्कार है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश ऊर्जा, शिक्षा, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल है तथा युवाओं को प्रदेश निर्माण में आगे आने का आह्वान किया। जनपद अध्यक्ष हेमलता रावत और नगरपालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने भी अपने संबोधन में प्रदेश के विका स और रोजगार सृजन की दिशा में हो रहे प्रयासों की सराहना की।अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हुआ सम्मान, हितलाभ वितरित समारोह में मुख्य अतिथियों द्वारा आईगोट कर्मयोगी प्लेटफार्म पर सर्वाधिक कोर्स पूर्ण करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए गए। जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र स्थापना दिवस के अवसर पर जनसंपर्क विभाग शिवपुरी द्वारा मानस भवन परिसर में एक आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की विकास यात्रा, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाएं, जनजातीय गौरव, नारी सशक्तिकरण, पर्यटन, निवेश, शिक्षा एवं ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्धियों का जीवंत चित्रण किया गया। मुख्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभाग के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी कार्यालय अलीगढ़ मैं मनाया गया धूमधाम से राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय कुंवर राजा भैया जी का जन्मदिन

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर/ अलीगढ़। जनसत्ता दल जिला कार्यालय हवाई पट्टी के समीप जनसत्ता दल के जिलाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र चौधरी कार्यालय पर पदाधिकारियों ने पार्टी के मुखिया माननीय कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया जी का जन्मदिन केक काटकर व गरीबों में फल वितरित कर मनाया। इस मौके पर अनुज ठाकुर युवा जिला अध्यक्ष, डा, बालवीर ठाकुर ललित जिला सचिव डॉ मनोज राहुल सेंगर जिला उपाध्यक्ष अमित सिंह जिला उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह जिला सचिव तेजपाल सिंह जिला सचिव जितेंद्र कुमार जिला सचिव ललित कुमार ऊप जिला सचिव कोमल उपसचिव सुनील कुमार कोषाध्यक्षआदि थे।

शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शनिवार को तहसील कालपी के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में किया गया। आम नागरिकों की शिकायतें गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की हीलाहवाली या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में मौके पर जांच आवश्यक है, वहां राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि शिकायतकर्ता को वास्तविक न्याय मिल सके।उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवर आदि सम्बंधित शिकायतों का निस्तारण के समय जीपीएस फोटो सहित स्थलीय निरीक्षण कर आख्या प्रस्तुत करें। कोई भी अधिकारी अपने कार्यालय में बैठकर बिना निरीक्षण के निस्तारण नहीं करेगा, अन्यथा उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता से फीडबैक लेकर निस्तारण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने कहा कि पुलिस का कार्य केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता का विश्वास कायम रखना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे जनता से संवाद बनाए रखें और शिकायतों का शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 39 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 07 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया, जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित टीमों को आज शाम तक गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह, सीओ अबधेश सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों की फसलों की क्षति को लेकर सीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को दिया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आज शनिवार को जिला पंचायत सदस्य रंजना अमित सागर की अगुवाई में प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार सादुल्ला खान को को सौंपा इस ज्ञापन में अवगत कराया गया है कि मेरे जिला पंचायत क्षेत्र पहाडगांव एवं कोंच तहसील के सभी ग्रामों में वे मौसम हुई बारिश से छोटे बड़े किसानों की फसलें पूरी तरह पानी से क्षति ग्रस्त हो गई है साथ ही धान की पकी फसल पानी से तबाह हो चुकी है और ज्यादा मात्रा में किसानों ने मटर का महंगा बीज लेकर बुआई की थी जिस से मटर का पूरा बीज जमीन में पानी के कारण गल गया ऐसे ही चना मसूर गेहूं एवं अन्य कई फसलों का नुकसान हुआ है जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है इस ज्ञापन में मांग की गई है किसानों को अधिक से अधिक मुआवजा दिया जावे और फसल बुआई के समय खाद की उचित व्यवस्था की जावे और डीएपी खाद किसानों को कम दामों में उपलब्ध कराई जावे इस अवसर पर संजीव तिवारी एडवोकेट बार संघ के अध्यक्ष राम शरण कुशवाहा अनंत पाल सिंह यादव एडवोकेट विशंभर दयाल जाटव एडवोकेट अमित यादव नगर अध्यक्ष रामानंद कुशवाह जिलाध्यक्ष छात्र सभा जालौन बृजमोहन अहिरवार प्रदेश सचिव कार्तिक पटेल छत्रसाल जमरोही अमित सागर नरछा राजू महाराज चांदनी सपा व्यापार सभा के अध्यक्ष मनोज इकड़या रमाकांत पटेल देवी दयाल सोबी मंसूरी अमीन बैग अमन यादव सेवड़ी गीतेश उदेनिया माता प्रसाद चांदनी नीरज पटेल पूर्व सभासद महावीर यादव वीर सिंह जुगराज सिंह समरथ सिंह देवेंद्र पटेल राजेश कुमार सिद्दार्थ चन्दन चौधरी कालीचरण अमन चौधरी मोहित कुमार देवेंद्र चौधरी रमा कांत पटेल सहित तमाम लोग मौजूद रहे

पिस्टल के बल पर बियर की पेटी और 80 हजार रुपये लूट ले गए तीन बदमाश

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर/ अलीगढ़ हरदुआगंज में गुरुसिकरन गांव के बाहर हरदुआगंज रजबहा की पटरी पर स्थित देशी शराब और बियर के ठेके से रात बाइक सवार तीन बदमाश पिस्टल के बल पर बियर की पेटी और 80 हजार रुपये लूट ले गए। आरोप है कि ठेके का गेट नहीं खोलने पर सेल्समैन पर फायर झोंक दिया, जिसकी वजह से संचालक ने गेट खोल दिया। गुरुसिकरन गांव के सचिन चौहान ने बताया कि उसके पिता कालीचरण के नाम पर रजबहा पटरी पर कंपोजिट शराब का ठेका है, जिसपर रात सेल्समैन रंजीत और उसके पिता मौजूद थे। रात करीब 9:05 पर तीन नकाबपोश बदमाश एक बाइक पर आए और बियर खरीदने के लिए पेमेंट करने को क्यूआर कोड स्कैन करने लगे। चंद सेकेंड बाद ही तीनों ने सेल्समैन से गाली गलौज करना शुरू कर गेट खुलवाना चाहा, नहीं खुलने पर एक ने पिस्टल निकालकर सेल्समैन के ऊपर फायर झोंक डाला, जिसमें रंजीत बाल-बाल बच गया। घबराए सेल्समैन और ठेका संचालक ने दरवाजा खोल दिया। आरोप है कि इसके बाद लुटेरे दोनों ठेके का नकदी भरा गल्ला, जिसमें करीब 80 हजार रुपये थे और एक बियर की पेटी लूटकर ले गए। पेटी भी लुटेरों ने ठेका संचालक से बाइक पर रखवाई। सूचना पर थाना पुलिस समेत सीओ अतरौली मौके पर पहुंच गए। सीसीटीवी फुटेज से जानकारी जुटाई जा रही थी। मामले की जांच की जा रही है, अभी तक बियर की पेटी ले जाने की बात सामने आई है, रुपये ले जाने के बार में कोई जानकारी नहीं है।-राजीव कुमार द्विवेदी, सीओ अतरौली

संक्षिप्त समाचार

अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानन्द कुशवाहा द्वारा पुलिस लाइन सभागार में प्राचीनतम वादों के निस्तारण हेतु मीटिंग आहुत की

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेंद्र कुमार पांडेय / पुलिस लाइन सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानन्द कुशवाहा द्वारा मीटिंग आहुत की गयी जिसमें ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी, डीजीसी क्रिमिनल, एडीजीसी क्रिमिनल पॉक्सो कोर्ट व समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष व थाने स्तर पर एक्शन प्लान के अन्तर्गत गठित टीम के सभी सदस्य (जरिये गूगल मीट) तथा मॉनीटरिंग सेल, सम्मन सेल, न्यायालय सम्मन सेल व समस्त थानो के न्यायालय पैरोकार उपस्थित हुये। जिसमे एक्शन प्लान के तहत प्राचीनतम वादों (10,20,30 वर्ष) के अति शीघ्र (माह दिसम्बर तक) निस्तारण के संबंध में अति आवश्यक बिन्दुओ मा0न्यायालय द्वारा निर्गत समस्त आदेशिकाओं का समयक तामिला व गवाहों/अभियुक्तो की समयक मा0न्या0 में उपस्थिती करने व मा0 न्यायालय में जनपद न्यायधीश की अध्यक्षता में अपार डीजे/ मॉनीटरिंग सेल बैठक के आदेशो/ निर्देशो के क्रम मे समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष व थाने स्तर पर एक्शन प्लान के अन्तर्गत गठित टीम के सभी सदस्यों को शत प्रतिशत अनुपालन हेतु निर्देशित किया ।

भारतीय किसान यूनियन ने एसडीएम को ज्ञापन दिया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने कोंच एसडीएम ज्योति सिंह को ज्ञापन दिया है इस ज्ञापन में अवगत कराया गया है कि क्षेत्र में लगातार हुई मूसलाधार बारिश के हो रही है कोंच व नदीगांव ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले तमाम गांवों में रबी व खरीफ दोनों ही फसलें पूरी तरह बर्बाद हो है खेतों में खड़ी फसलों के साथ महंगा बीज खाद व भी चला गया है जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है इस आपदा के घड़ी में किसानों के घर परिवार भूखमरी के कगार पर पहुंच गया हैं किसानों के हित में प्रशासन से मांग है कि आपदा राहत कोष व फसल बीमा योजना के तहत प्रभावित किसानों को जल्द दिया जावे उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द राहत कार्य शुरू नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होगी इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल महामंत्री डा पीड़ी निरंजन ब्लॉक अध्यक्ष कोंच सुभाष चंद्र पटेल परेथा नदीगांव ब्लॉक अध्यक्ष अनुरुद्ध पटेल राकेश पटेल कुंवर पूरा भगवान सिंह कुशवाहा रवा दुर्गा प्रसाद भेंड़ जितेंद्र सिंह परेथा बीरेंद्र पटेल पचीपुरा जतिन पटेल परेथा बीरेंद्र पटेल गोविंद सिंह पटेल गोरा राजेश पटेल दाढ़ी सौरभ पटेल दाढ़ी ब्लॉक उपाध्यक्ष कोंच रविश कुमार पटेल राम केश त्रिपाठी नंद कुमार तिवारी सुनील कुमार श्याम सुंदर अरविंद्र कुमार पटेल कौशल किशोर प्रवीण कुमार सहित तमाम भारतीय किसान यूनियन से जुड़े लोग मौजूद रहे

महिला संग दुष्कर्म की कोशिश

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर/ अलीगढ़। महानगर के कोतवाली इलाके की महिला ने एसएसपी के आदेश पर अपने पति व अन्य ससुरालियों पर दहेज के लिए उत्पीड़न, दुष्कर्म की कोशिश व तीन तलाक का मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमे में महिला ने कहा है कि उसकी शादी सिविल लाइंस इलाके के व्यक्ति संग वर्ष 2021 में हुई। शादी के बाद से ही उसे ससुराल में दहेज के लिए परेशान किया जाने लगा। इसी बीच पति के भांजे ने उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की। जब उसने विरोध करते हुए पति से शिकायत की तो पति ने अपने भांजे का साथ देकर उससे संबंध बनाने का दबाव बनाया। पति नोएडा में किसी अन्य महिला संग रह रहा है। सीओ प्रथम मयंक पाठक के अनुसार जांच कर कार्रवाई की जाएगी

अकराबाद थाना क्षेत्र से बाइक चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर/ अलीगढ़ अकराबाद: महेशपाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह निवासी नानऊ ने थाने में दी तहरीर में कहा है कि वह शुक्रवार की दोपहर अपने खेत पर (नानऊ पुल के पास) काम कर रहा था उसकी मोटर साईकिल UP}1CF2493 खेत के पास नहर की पटरी पर खड़ी थी वह कृषि कार्य में लगा हुआ था। इसी दौरान कुछ देर बाद उसने देखा तो उसकी मोटर साईकिल चोरी हो गयी। मामले के संबंध में थाना पुलिस ने बताया है कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

Prepare High-Protein Paneer Uttapam for Breakfast: Delicious and Healthy!

Are you tired of eating the same breakfast every morning and looking for a breakfast option that is both delicious and packed with protein? Then your search ends here. Yes, high-protein paneer uttapam is a fantastic breakfast option that will make your day start healthy and energetic. Let's find out more. Uttapam is a popular South Indian dish, but when it gets a 'twist' with paneer, its nutritional value increases manifold. Paneer is an excellent source of protein, which is essential for your muscles and keeps you feeling full for a long time. It's perfect for those who are trying to lose weight or go to the gym. Let's learn the easy recipe without further ado. Easy to make and ready in minutes. People often think that making a healthy breakfast takes a lot of time, but that's not the case with paneer uttapam. It gets ready quickly. You can make the uttapam batter with semolina, or with protein-rich ingredients like moong dal/oats. Ingredients for making Paneer Uttapam For the Uttapam batter: 1 cup semolina (rava) 1/2 cup yogurt (yogurt should be fresh and slightly sour) 1/4 cup finely chopped tomatoes 1/2 teaspoon grated ginger 1-2 green chilies, finely chopped (according to your taste) 1/4 cup finely chopped coriander leaves 1/2 teaspoon salt (or to taste) 1/4 teaspoon black pepper powder 1/4 teaspoon Eno fruit salt (or baking soda) Water - as needed Oil or ghee - for cooking For the paneer topping: 1/2 cup grated paneer 1/4 cup finely chopped onion Method for making Paneer Uttapam Take semolina and yogurt in a large bowl. Mix them well so that there are no lumps. Gradually add about half a cup of water to the semolina and prepare a thick batter. This batter should be slightly thicker than dosa batter. Now cover the batter and let it rest for 15 to 20 minutes so that the semolina swells. This will make the uttapam soft. After 15 minutes, add salt and Eno fruit salt (or baking soda) to the batter and mix well. Start making the uttapam immediately after adding the Eno. If the batter seems too thick, you can add a little more water. In a separate bowl, take the grated paneer, finely chopped onion, tomato, ginger, green chilies, and coriander leaves. Add salt and black pepper powder and mix gently. Your delicious and protein-rich topping is ready. Next, heat a non-stick pan over medium heat. Grease the pan with a little oil or ghee. Then take a large spoonful of batter and pour it onto the pan, spreading it gently in a circular shape. It should not be as thin as a dosa, but slightly thicker. Immediately add the prepared paneer topping mixture on top of the uttapam. Gently press the topping with a spoon so that it sticks to the batter. Add a little oil or ghee around the edges and on top of the uttapam. Then let the uttapam cook on medium-low heat for 2-3 minutes until the edges are lightly golden brown. Now carefully flip the uttapam and cook the other side for about 1-2 minutes until the paneer and vegetables are well cooked and the uttapam is crispy. Serve the hot paneer uttapam with coconut chutney, tomato chutney, or sambar. If you want even more protein, you can use oat powder or gram flour (besan) instead of semolina. Add the Eno only when you are about to make the uttapam; adding it earlier will reduce its effectiveness.

Lies can shake the foundation of a relationship; here's how to tell if your partner is lying to you.

If you think that small lies don't matter, you're wrong. Even a small lie can shake the foundation of your relationship. In fact, lying causes you to lose your partner's trust, which weakens the foundation of the relationship. Let's understand why lies ruin relationships and how to tell if your partner is lying. Even a small lie can create distance in a relationship. Lies cause trust to erode in a relationship. Honesty is essential to maintaining a strong relationship. The foundation of a relationship rests on trust, honesty, and openness. When a crack appears in it, it can shake the entire structure. A lie is not just a sentence; it's a poison that slowly hollows out the roots of the relationship. Let's understand how lies affect relationships and how to recognize if your partner is hiding the truth from you. Why can even a small lie break a relationship? Breakdown of trust - Trust is the backbone of a relationship. Once broken, it is extremely difficult to rebuild. Suspicion arises about everything, big or small. Lack of communication - After a lie, the door to communication slowly begins to close. Due to fear and suspicion, open communication decreases. Emotional distance - Lies create a wall between two hearts. You may be physically close, but emotionally miles apart. Attack on self-esteem - When it is discovered that you have been lied to, the person begins to question themselves, "Am I so naive?" or "Why am I so unworthy that I wasn't told the truth?" This reduces the person's self-confidence. How to tell if your partner is lying? Although these signs are not always accurate, you should pay attention to some common symptoms: Changes in body language - Avoiding eye contact or staring too intensely. Covering the face with hands or fidgeting frequently while talking. Sudden sweating or changes in facial color. Manipulation in communication: Giving different answers to the same question at different times. Presenting information in a misleading way or avoiding details. Giving evasive answers to direct questions. Changes in emotional behavior: Becoming defensive without reason. Getting angry or irritable over minor things. Suddenly becoming overly sweet or affectionate. Digital behavior: Keeping their phone or laptop excessively private. Ending chats or calls as soon as you approach them. Hiding social media activity. Important things to keep in mind: Don't jump to conclusions based on these signs. Sometimes, changes in behavior can be due to stress or other problems. If you have suspicions, try to talk to them directly and calmly. If you discover they are lying, have an honest conversation before continuing the relationship and consider seeking professional help.

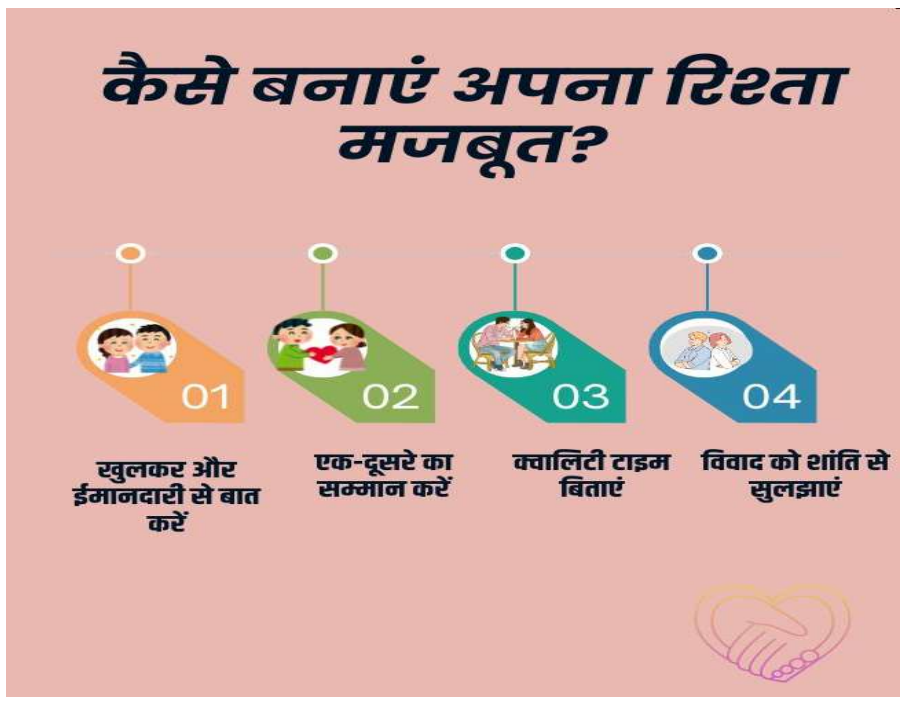

Glass Lunch Boxes are Beneficial for the Office; They Won't Harm Your Health

Carrying homemade food to the office in a glass tiffin box instead of a plastic one is better for your health. Plastic tiffin boxes can release harmful chemicals when in contact with hot food, while glass tiffin boxes retain the taste of the food and are also safe for health. Plastic tiffin boxes can harm your health; microplastics can enter the body from using plastic tiffin boxes. Using a glass tiffin box for lunch is more beneficial. Keeping ourselves healthy should be our top priority. Therefore, office-goers should eat homemade food for lunch. However, it is also important to pay attention to what you are eating as well as what you are eating from. Most people use plastic tiffin boxes for the office. But plastic tiffin boxes can harm your health, especially if hot food is packed in them. Therefore, using a glass tiffin box can prove to be more beneficial. Let's find out how a glass tiffin box is beneficial. Why is carrying lunch in a glass tiffin box beneficial? The original taste of the food remains intact - Glass does not absorb any kind of taste or odor. This keeps your food fresh and tasty like homemade food, without any changes. Completely safe for health - No harmful chemicals are released into the food from a glass lunch box, whereas plastic can contain elements like BPA. This keeps the nutritional value of your food safe. Higher temperature tolerance - A glass lunch box can be easily used in the microwave and oven. You don't need to change containers separately, which increases convenience. Easy to clean - Grease or oil stains do not accumulate quickly on glass lunch boxes, and they are very easy to wash. They remain shiny like new for a long time. Environmentally responsible option - Glass is 100% recyclable and has minimal impact on the environment compared to plastic. It is a better option for nature. Strong and Durable - A good quality glass lunch box is very strong. With proper care, it lasts for many years, eliminating the need to buy a new one frequently. Attractive and Premium Look - Glass lunch boxes have a very elegant and stylish look, which is aesthetically pleasing. What to consider when buying a glass lunch box? Choose high-quality glass - Tempered glass is stronger and can withstand temperature changes. Ensure it has an airtight lid - so that the food stays fresh for a longer time. Choose the right size. Make sure it is dishwasher and microwave safe. Always check for a leak-proof design.

Hollywood Actor Chris Evans Becomes a Father; Baby Girl Born at Captain America's Home

'Steve Rogers' a.k.a. 'Captain America' Chris Evans needs no introduction. He started his career in the early 2000s and got his big break with his role in 'Fantastic Four'. It was the role of 'Captain America' that gave him global recognition. He reportedly married Alba Baptista. Now, news is coming in that the actor has become parents. According to TMZ, the become a father. Chris Evans and Alba Baptista have baby girl on October 25th in Massachusetts, Captain America star's wife, Alba, gave birth to a announcement. The couple has always USA. The couple has not yet made any official Interestingly, the actress also kept her preferred to keep their relationship private. media reports, the child has been named Alma pregnancy a secret from everyone. According to some story begin? Chris and Alba's relationship Grace Baptista Evans. How did Chris and Alba's love years, the couple tied the knot in a lavish first came to light in 2022. After dating for several 2023. Their wedding was attended by their ceremony at their Boston home in the summer of stars. Dream of becoming a father - Chris had close family, friends, and some of Chris's Marvel co- values ??mean to him and how happy he previously revealed in an interview what family Access Hollywood, he described becoming a would be to become a father. In a conversation with would be like a dream role for me," adding parent as his dream. He said, "Becoming a father dad. Chris's upcoming projects - On the work that he hopes to one day earn the title of superhero upcoming projects. However, he has dismissed front, the actor has not said anything about his Universe (MCU) for Avengers: Doomsday. When speculation about his return was at its peak, he stated, "I'm happily retired."

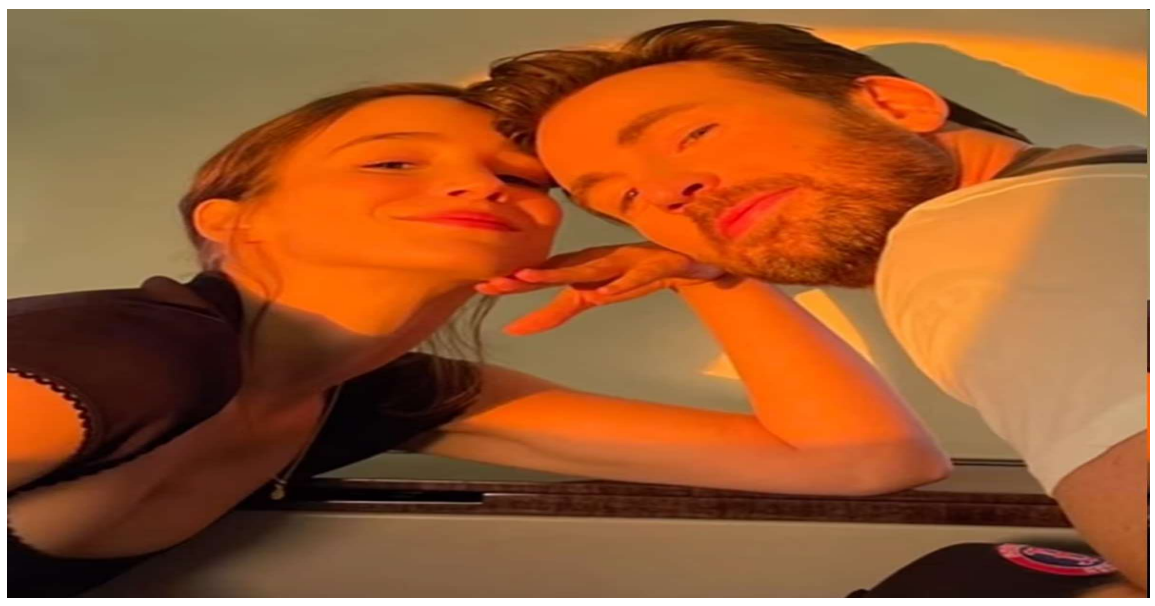

'My face is better than yours', Shah Rukh Khan trolled by a fan, gives a witty reply

Shah Rukh Khan is one of those Bollywood stars who are not only famous for their acting, but also for their quick wit, which impresses fans a lot. Recently, an example of this was seen during Shah Rukh's live session, where King Khan gave such a reply to a troll that fans can't stop praising him. Shah Rukh Khan targeted by a troll during a live session; user questioned the actor's looks and acting talent; Shah Rukh Khan immediately gave a befitting reply to the user. In the age of increasing social media, trolling has become quite common for Bollywood stars. Sometimes users judge them on their looks, and sometimes on their acting. While many stars silently endure people's nasty and offensive comments, Shah Rukh Khan has once again proved why he is the 'King' of Bollywood. King Khan, known for his acting and sense of humor, was recently trolled by a user on social media. However, this act of the user backfired on him. Read below for details on what the user tried to troll Shah Rukh about on social media and how King Khan gave a befitting reply: User comments on Shah Rukh Khan's looks - Bollywood's ?????? (King) Shah Rukh Khan recently held a live #ASKSRK session on his official X account with his fans. During this session, he gave tips on how to impress girls and wished South star Yash for his upcoming film Toxic. Amidst all these loving tweets, a user made an offensive comment. In the Ask SRK session, a user commented, "Brother, tell me, you have no talent, nor is your face good, yet how did you become a star? My face is better than yours, but nobody even recognizes me." Shah Rukh Khan silenced the user with his witty reply. While many Bollywood stars avoid responding to trolls who make such offensive comments, Shah Rukh Khan didn't spare this one. Giving a fitting reply to the troll who questioned his looks and acting, Shah Rukh Khan wrote, "Brother, my looks are fine. You didn't say anything about my intelligence...do I have any????" Following Shah Rukh Khan's response, fans also came out in support of the actor. Giving a befitting reply to the troll, one user wrote, "If charm were a subject, you would be both the question and the answer, Shah Rukh." Another user wrote, "Sir, why did you even reply to him? You just made his day!" Yet another user wrote, "Brother, when I saw you in Fauji and Circus, I knew then that you would be a superstar of Indian cinema."

Amaal will try to push Kunika aside and snatch the captain's chair, leading to a lot of drama in the house.

This season of Bigg Boss 19 is slowly moving towards its conclusion. The internal drama has intensified even further. Recently, in the captaincy task, two friends, Amaal Malik and Kunika, clashed. Kunika was seen shouting loudly at him. The drama in Bigg Boss 19 is becoming more and more dramatic every day. The fight to grab the winner's chair has intensified. Since the beginning, the show has reached its mid-week point, so the competition has become even more intense. A ??recent promo shows contestants changing their strategies, forming new friendships, and breaking old ones. Amidst all this, the housemates were divided into groups of two, where they were tasked with picking up certain objects using buckets that were already broken into pieces as part of the game. The next captain of the house will be chosen based on the results of this task. Kunika was pushed during the race. The video was captioned, "The race for the captain's chair has begun! Who will leave everyone behind and win the crown?" While carrying objects from one place to another using broken buckets, chaos erupts among the contestants. The video begins with the Big Boss announcement, "Each pair has to earn more points to claim the captaincy." Immediately after, the housemates are seen running to complete their task. Meanwhile, as Amal Malik and Farhana Bhatt try to reach their destination, things go completely wrong. Who will be the next captain? To complete the task, Amal deceptively pushes Kunika, who is standing right next to him. As soon as Kunika is pushed, she starts shouting loudly at Amal. Finally, you will see Ashnoor being made the supervisor of the house and announcing the final results.